गिद्धों का संरक्षण

drishtiias.com/hindi/printpdf/conservation-of-vultures

प्रिलिम्स के लिये:

वाल्मीकि टाइगर रिज़र्व, गिद्ध

मेन्स के लिये:

गिद्ध कार्ययोजना, 2020-25

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **वाल्मीकि टाइगर रिज़र्व** (Valmiki Tiger Reserve- VTR), बिहार में 150 गिद्ध देखे गए, जिसने वीटीआर के संरक्षित क्षेत्र में गिद्ध संरक्षण योजना को प्रेरित किया है।

प्रमुख बिंदु

गिद्ध के विषय में:

- यह मरा हुआ जानवर खाने वाले पक्षियों की 22 प्रजातियों में से एक है जो मुख्य रूप से उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में रहते हैं।
- ये प्रकृति के कचरा संग्रहकर्त्ता के रूप में एक महत्त्वपूर्ण कार्य करते हैं और पर्यावरण से कचरा हटाकर उसे साफ रखने में मदद करते हैं।
  गिद्ध वन्यजीवों की बीमारियों को नियंत्रण में रखने में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- भारत गिद्धों की 9 प्रजातियों यथा- ओरिएंटल व्हाइट बैकड (Oriental White Backed), लॉन्ग बिल्ड (Long Billed), स्लेंडर-बिल्ड (Slender Billed), हिमालयन (Himalayan), रेड हेडेड (Red Headed), मिस्र देशीय (Egyptian), बियरडेड (Bearded), सिनेरियस (Cinereous) और यूरेशियन ग्रिफॉन (Eurasian Griffon) का घर है।
  - इन 9 प्रजातियों में से अधिकांश के विलुप्त होने का खतरा है।
  - बियरडेड, लॉन्ग बिल्ड और ओरिएंटल व्हाइट बैकड **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम** (Wildlife Protection Act), 1972 की अनुसूची-1 में संरक्षित हैं। बाकी 'अनुसूची IV' के अंतर्गत संरक्षित हैं।

IUCN स्थिति :

Sr. No.	Name of the Vulture Species	IUCN status	Pictorial Representation
1.	Oriental White-backed Vulture (Gyps Bengalensis)	**Critically Endangered**	
2.	Slender-billed Vulture (Gyps Tenuirostris)	**Critically Endangered**	
3.	Long-billed Vulture (Gyps Indicus)	**Critically Endangered**	
4.	Egyptian Vulture (Neophron Percnopterus)	**Endangered**	
5.	Red-Headed Vulture (Sarcogyps Calvus)	**Critically Endangered**	
6.	Indian Griffon Vulture (Gyps Fulvus)	**Least Concerned**	
7.	Himalayan Griffon (Gyps Himalayensis)	**Near Threatened**	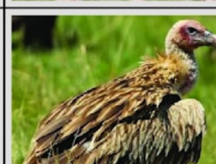
8.	Cinereous Vulture (Aegypius Monachus)	**Near Threatened**	
9.	Bearded Vulture or Lammergeier (Gypaetus Barbatus)	**Near Threatened**	

खतरे :

- डाइक्लोफेनाक (Diclofenac) जैसे विषाक्त जो पशुओं के लिये दवा के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- मानवजनित गतिविधियों के कारण प्राकृतिक आवासों का नुकसान।
- भोजन की कमी और दूषित भोजन।

- बिजली लाइनों से करंट।

संरक्षण के प्रयास :

- हाल ही में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री ने देश में गिद्धों के संरक्षण के लिये एक 'गिद्ध कार्ययोजना 2020-25' (Vulture Action Plan 2020-25) शुरू की।
    - यह डिक्लोफेनाक का न्यूनतम उपयोग सुनिश्चित करेगा और गिद्धों हेतु मवेशियों के शवों के प्रमुख भोजन की विषाक्तता को रोकेगा।
    - 'गिद्ध सुरक्षित क्षेत्र कार्यक्रम' को देश के उन आठ अलग-अलग स्थानों पर लागू किया जा रहा है जहाँ गिद्धों की आबादी विद्यमान है। इनमें से दो स्थान उत्तर प्रदेश में हैं।
    - उत्तर भारत में पिंजौर (हरियाणा), मध्य भारत में भोपाल, पूर्वोत्तर में गुवाहाटी और दक्षिण भारत में हैदराबाद जैसे विभिन्न **भौगोलिक क्षेत्रों के लिये चार बचाव केंद्र** प्रस्तावित हैं।
    - MoEFCC ने अब **रेड-हेडेड एवं इजिप्टियन गिद्धों** दोनों के लिये प्रजनन कार्यक्रमों के साथ-साथ संरक्षण योजनाएँ भी शुरू की हैं।
- भारत में गिद्धों की मौत के कारणों पर अध्ययन करने के लिये वर्ष 2001 में हरियाणा के पिंजौर में एक **गिद्ध देखभाल केंद्र (Vulture Care Centre-VCC)** स्थापित किया गया।
- कुछ समय बाद वर्ष 2004 में गिद्ध देखभाल केंद्र को उन्नत (Upgrade) करते हुए भारत के पहले **'गिद्ध संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र' (VCBC)** की स्थापना की गई।

    वर्तमान में भारत में नौ गिद्ध संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र हैं, जिनमें से तीन बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी (Bombay Natural History Society-BNHS) द्वारा प्रत्यक्ष रूप से प्रशासित किये जा रहे हैं।

वाल्मीकि टाइगर रिज़र्व

अवस्थिति:

- बिहार के पश्चिमी चंपारण ज़िले में भारत-नेपाल सीमा पर स्थित है।
- यह भारत में हिमालयी तराई वनों की सबसे पूर्वी सीमा बनाती है।
- देश के गंगा के मैदानों के जैव-भौगोलिक क्षेत्र में स्थित जंगल में भाबर और तराई क्षेत्रों का संयोजन है।

अवस्थापना:

इसकी स्थापना मार्च 1994 में प्रोजेक्ट टाइगर के तहत की गई थी।

जैव विविधता:

- राष्ट्रीय उद्यान के जंगल में पाए जाने वाले वन्यजीव बंगाल टाइगर, भारतीय गैंडा, काला भालू, ऊदबिलाव, भारतीय तेंदुआ, जंगली कुत्ता, भैंस और सूअर हैं।
- साथ ही यहाँ भारतीय उड़ने वाली लोमड़ियों को भी देखा जा सकता है।
- रिज़र्व में समृद्ध विविधता है। यहाँ पक्षियों की 250 से अधिक प्रजातियों की सूचना मिली है।
- 'थारू' एक अनुसूचित जनजाति है जो वाल्मीकि राष्ट्रीय उद्यान के परिदृश्य में प्रमुख समुदाय है।

बिहार में अन्य संरक्षित क्षेत्र:

- भीमबाँध अभयारण्य।
- राजगीर अभयारण्य।
- कैमूर अभयारण्य।
- कँवर झील पक्षी विहार।
- विक्रमशिला गंगेटिक डॉल्फिन।

स्रोत- डाउन टू अर्थ